Press Release

TATA POWER-DDL

मंगलवार, 01 अक्टूबर 2024 **तत्काल प्रकाशनार्थ**

नई दिल्ली

टाटा पावर-डीडीएल ने आगामी फेस्टिव सीज़न के मद्देनज़र बड़े पैमाने पर सुरक्षा जागरूकता अभियान शुरू किया

- सुरक्षा अभियान के दौरान, 2.28 लाख से अधिक खंभों का निरीक्षण
- 67 स्कूलों में चलाए गए सुरक्षा जागरूकता अभियान के दौरान 26,838 छात्रों तक बनायी पहुंच

नॉर्थ दिल्ली में 7 मिलियन से अधिक की आबादी के लिए बिजली सप्लाई करने वाली अग्रणी पावर यूटिलिटी टाटा पावर-डीडीएल ने अपने उपभोक्ताओं तथा फील्ड स्टाफ के लिए एक व्यापक सुरक्षा अभियान का आयोजन किया है। इसका उद्देश्य बिजली संबंधी दुर्घटनाओं/मामलों में कमी लाना है। इस अभियान के अंतर्गत, अब तक 2.28 लाख इंस्टॉलेशंस, जिनमें साधारण सीमेंट और कंक्रीट (पीसीसी) के खंभों के अलावा स्ट्रीट लाइटें, तारें, टावर, रेल पोल, सब स्टेशनों की फेन्सिंग, फीडर एवं सर्विस पिलर, पीडब्ल्यूडी पोल, एमसीडी पोल, एटीएम तथा पार्कों में लगायी लाइटें शामिल हैं, का निरीक्षण किया गया और किसी भी असुरक्षित स्थिति/खतरा पाए जाने पर उनमें सुधार किया गया।

टाटा पावर-डीडीएल त्योहारों के मद्देनज़र रामलीला, दुर्गा पूजा और अन्य आयोजनों के लिए 24 घंटों के अंदर अस्थायी कनेक्शन उपलब्ध कराता है। जहां एक ओर डिस्कॉम फेस्टिव सीज़न में तत्काल कनेक्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, वहीं इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति और भीड़-भाड़ को देखते हुए सुरक्षा पर पूरा जोर दिया जाता है।

टाटा पावर-डीडीएल की ऑपरेशन और मेंटीनेंस टीमें इस दौरान किसी भी प्रकार की सुरक्षा संबंधी घटना से निपटने के लिए तत्पर रहती हैं।

साथ ही, इस दौरान उपभोक्ताओं को भी अपने परिसर और आसपास वायरिंग को लेकर सावधानी बरतने और किसी भी तरह के लूज़ कनेक्शन से बचने की सलाह दी जाती है क्योंकि इनकी वजह से दुर्घटनाएं घटने की संभावना रहती है। इसके अलावा, सुरक्षा की दृष्टि से ईएलसीबी (अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर) / आरसीसीबी इंस्टॉल करवाना भी जरूरी होता है ताकि लोगों के साथ-साथ उनके उपकरणों का भी बिजली के झटकों और आग से बचाव हो सके। ये बिजली करंट का रिसाव होने से बचाव करते हैं।

उपभोक्ता सेवा केंद्रों और अन्य उपभोक्ता संपर्क स्थलों के माध्यम से भी, घरों तथा अस्थायी स्ट्रक्चर/वायरिंग आदि में ईएलसीबी/आरसीसीबी का इस्तेमाल करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया जाता है। इससे बिजली का करंट लगने और किसी भी प्रकार के फॉल्ट की स्थति में आग से बचाव होता है।

स्कूली छात्रों और आरडब्ल्यूए सदस्यों को ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यमों से बिजली एवं आग से बचाव के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।

आगामी फेस्टिव सीज़न/त्योहारी सीज़न के मद्देनज़र, टाटा पावर-डीडीएल की ऑपरेशन एवं मेंटीनेंस टीमों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं ताकि सुरक्षा संबंधी किसी भी आपातकालीन स्थिति से तत्काल कुशलतापूर्वक निपटा जा सके। उपभोक्ता से अनुरोध है कि वे किसी भी असुरक्षा की स्थिति या अप्रिय घटना की सूचना कंपनी की 24x7 उपलब्ध टोल-फ्री हेल्पलाइन 19124 पर दे सकते हैं।

उपभोक्ताओं के लिए सुरक्षा संबंधी सलाहः

- सुनिश्चित करें कि डेकोरेटिव लाइटें धातु के खंभों, रेलिंग आदि के संपर्क में न आएं।
- आरसीसीबी लगवाएं जो आपके अस्थायी स्ट्रक्चर/वायरिंग को आग से बचाता है।
- लाइटें लगवाने के लिए किसी योग्य इलैक्ट्रिशियन की सेवाएं लें।
- दीयों या मोमबत्तियों को ज्वलनशील सामग्री से दूर रखें
- बिजली की बचत करने के लिए, केवल अच्छी क्वालिटी की वायरिंग और लाइट स्ट्रिंग्स ही चुनें, जैसे कि एलईडी लाइट्स।
- केवल आईएसआई मार्क वाले इलैक्ट्रिकल उपकरणों का ही प्रयोग करें।

टाटा पावर-डीडीएल की ओर से आप सभी को सुरक्षित और खुशहाल फेस्टिव सीज़न की शुभकामनाएं!

टाटा पावर-डीडीएल के बारे में

टाटा पावर-डीडीएल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और टाटा पावर का ज्वाइंट वैंचर है। कंपनी नॉर्थ दिल्ली में करीब 7 मिलियन की आबादी के लिए पावर सप्लाई करती है। टाटा पावर-डीडीएल बिजली वितरण के क्षेत्र में सुधारों के स्तर पर अग्रणी है और इसे उपभोक्ता केंद्रित व्यवहारों के लिए जाना जाता है। निजीकरण के बाद से टाटा पावर-डीडीएल के वितरण इलाकों में एटीएंडसी नुकसान में रिकॉर्ड कमी आयी है। और सभी वर्टिकल्स में एडवांस्ड टैक्नोलॉजी अपनाकर बिजली वितरण के परिदृश्य में व्यापक बदलाव लया है। वर्तमान में एटीएंडसी नुकसान 5.9% है, जिसमें जुलाई 2002 में 53% के शुरुआती नुकसान में अप्रत्याशित कमी आई है।
टाटा पावर-डीडीएल के बारे में और जानकारी के लिए देखें: www.tatapower-ddl.com

For further information please contact:

Corporate Communications:

Sonia Sarin (9910292599)

Slough PR:

Abhishek Anand (9711061540)